पावरग्रिड कार्पोरशन उत्तरी छेत्र द्वारा वाराणसी के होट्ल क्लार्क्स में तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

ब्रह्माकुमारीज् सारनाथ से राजयोग प्रशिछिका ब्र.कु. तापोशी बहन व राजयोगी ब्र.कु. बिपिन भाई ने दी प्रशिछण

----वरिष्ठ महाप्रबंधक ने जताया ब्रह्माकुमारी संस्था का आभार----

----------- देश के अनेक स्थानों से आए प्रतिभागी हुए अभिभूत ----------

वाराणसी । पावरग्रिड कार्पोरशन उत्तरी छेत्र द्वारा वाराणसी के होट्ल क्लार्क्स में तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया । देश के अनेक स्थानों से आए हुए पावरग्रिड के मैनेजर्स और जनरल मैनेजर्स स्तरिय अधिकारियों के लिए आयोजित त्रिदिवसीय कार्यशाला में ब्रह्माकुमारी संस्था की ओर से राजयोग एवम् मैनेजमेण्ट ट्रैनर बी के तापोशी बहन के साथ राजयोगी ब्र.कु. बिपिन भाई ने सुखी, स्वस्थ और खुशहाल जीवन के लिए राजयोग की उपयोगिता के ऊपर विशेष व्याख्यान दी ।

कार्यक्रम में ब्र.कु. तापोशी बहन ने पावरग्रिड के अधिकारियों को प्रोजेक्टर के माध्यम से सुखी, स्वस्थ और खुशहाल जीवन जीने के कई टिप्स दिए । उन्होने कहा कि स्वस्थ मन से ही स्वस्थ तन का निर्माण होता है। हमारे सोच, विचार और संकल्प हमारे शरीर के उपर विशेष प्रभाव डालते हैं । इसलिए हमें अपने संकल्पों को सकारात्मक और सशक्त बनाना होगा । सम्यमित और संतुलित जीवन के लिए राजयोग को अपरिहार्य बताते हुए उन्होनें कामेण्ट्री के द्वारा सभी को गहन शांति और आनंद की अनुभूति कराई ।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों के जीवन में रिटायर्मेंट के बाद आने वाली समस्याए व चुनौतियों का समाधान करने में आध्यात्मिकता की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए राजयोगी ब्र.कु. विपिन भाई ने कहा कि जीवन के प्रति नवीन दृष्टिकोण और भावनात्मक संतुलन बनाकर चलने से हम अनेक समस्याओं से मुक्ति पा सकते हैं । इसकी कला परमात्म प्रदत्त आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग की शिछा द्वारा सहज सम्भव है ।

कार्यक्रम का आसम्भ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया । पावर ग्रिड की ओर से संस्था के प्रशिछ्कों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम में पावर ग्रिड के वरिष्ठ महाप्रबंधक ए के राय ने संस्था का हार्दिक आभार जताया ।

उक्त अवसर पावर ग्रिड कार्पोरेशन, उत्तरी छेत्र के मानव संसाधन प्रभारी अशोक मिश्रा, लखनऊ के दिनेश पाण्डेय, कार्यक्रम प्रभारी विनोद जी, राजयोग टीचर ब्र.कु. सरिता, ब्र.कु. प्रियंका, खुशी, ब्र.कु. गंगाधर भाई, ईशान भाई आदि उपस्थित रहे ।